शुक्रवार
05 जून 2026
● देहरादून
● वर्ष 34
● अंक 132
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

34 साल से देहरादून का विश्वास

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94 email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

शराब पीने से मना करने पर चलायी गोली

दो घायल- एक आरोपी गिरफ्तार, दो फरार

संवाददाता

देहरादून। शराब पीने से मना करने पर गुस्साये तीन युवकों ने गोली चला दी जिससे दो युवक घायल हो गये जिनको एम्स में भर्ती कराया गया है। वहीं मामले में पुलिस ने तत्काल कार्यवाही करते हुए एक हमलावर को गिरफ्तार कर लिया जबकि उसके दो साथी फरार होने में सफल हो गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार थाना ऋषिकेश क्षेत्रांतर्गत अखिलेश्वर कॉलोनी, भट्टोवाला (श्यामुपर) में शराब पीने व अभद्रता करने से रोकने को लेकर एक पक्ष को मना करने पर हुए विवाद में बाइक सवार तीन युवकों ने दूसरे पक्ष पर फायरिंग कर दी। जिसमे दो व्यक्ति आंशिक रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें तत्काल उपचार हेतु अस्पताल भिजवाया गया है। दोनों घायल पीड़ित खतरे से बाहर हैं।

अखिलेश्वर कॉलोनी, भट्टोवाला में स्थानीय निवासी घायल व्यक्ति मनीष पुत्र स्व. दिनेश व्यास निवासी भट्टों वाला श्यामपुर थाना ऋषिकेश व जसपाल रावत पुत्र शंभू सिंह रावत का शराब पीने से मना करने की बात को लेकर मोटरसाइकिल सवार तीन युवकों से विवाद हो गया।

बताया जा रहा है कि विवाद बढ़ने पर बाइक सवार युवकों द्वारा अवैध असलहे से फायरिंग की गई, घटना में नरेश व्यास के हाथ पर गोली लगी है। जबकि जसपाल रावत के पैर को छूती हुई गोली निकल गई। घायलों को तत्काल एम्स चिकित्सालय ले जाया गया जिनका उपचार चल रहा है। घटना को अंजाम देने के बाद दो आरोपी मौके से फरार हो गए तथा एक आरोपी वसीम अख्तर पुत्र महफूज आलम निवासी सीतामढी बिहार को वाहन के साथ मौके से पकड़ा गया। आरोपियों के विरुद्ध कोतवाली ऋषिकेश पर सम्बन्धित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। घटना में फरार 2 अन्य आरोपियों आमिर व अनवर (दोनों निवासी ग्राम इस्लामपुर, बिहार)की गिरफ्तारी हेतु टीमे गठित कर लगातार संभावित स्थानों पर दबिश दी जा रही है।

भाई की हत्या कराने वाला भाई गिरफ्तार!

हमारे संवाददाता

देहरादून। सम्पत्ति हड़पने के चलते भाई की सुपारी देकर हत्या कराने वाले 50 हजार के ईनामी सौतेले भाई को भी आखिरकार पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इस वारदात के शूटर सहित दो आरोपियों को पुलिस पूर्व मे ही गिरफ्तार कर चुकी है।

एसएसपी प्रमेन्द्र डोबाल ने जानकारी देते हुए बताया कि बीते वर्ष 26 मई को जतिन कुमार निवासी जी.एम.एस. रोड देहरादून द्वारा थाना राजपुर पर तहरीर देकर बताया गया था कि अज्ञात व्यक्ति द्वारा उनके ममेरे भाई अजय भटेजा के निवास स्थान 58/1 कृष्णा विहार जाखन देहरादून में उनकी हत्या कर दी है। मामले मे पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी। जांच के दौरान पुलिस टीम द्वारा मोबाइल सर्विलान्स, सीसीटीवी कैमरों से घटना में शामिल आरोपियो के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त करते हुए बीती 19 मई को घटना को अंजाम देने वाले मुज्जफरनगर के शातिर अपराधी राजन उर्फ जैकी को गिरफ्तार किया गया था, जिसने पूछताछ

में बताया कि उसके द्वारा मृतक अजय भटेजा के भाई अमित भटेजा के कहने पर 26 मई 2025 को अपनी प्रेमिका हुमेरा उर्फ जोया के साथ मिलकर अजय भटेजा की तकिये से मुँह दबाकर हत्या की थी। जिस पर पुलिस ने प्रकाश में आये दोनो आरोपियों हुमेरा उर्फ जोया तथा अमित भटेजा की गिरफ्तारी पर ईनाम घोषित किया गया। साथ ही पुलिस ने बीती 23 मई को आरोपी हुमेरा उर्फ जोया को सहारनपुर से गिरफ्तार कर लिया गया।

गिरफ्तार आरोपियों के बयानों के आधार पर उक्त घटना के मास्टरमाइंड अमित भटेजा की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीम द्वारा लगातार उसके सभी सम्भावित ठिकानों पर दबिशें दी जा रही थी।देते हुए सर्विलांस व अन्य माध्यमों से भी अभियुक्त के सम्बन्ध में जानकारियां एकत्रित की जा रही थी। पुलिस द्वारा किये जा रहे प्रयासों के दौरान पुलिस टीम द्वारा घटना में फरार 50 हजार के ईनामी अमित भटेजा को आज जिला न्यायालय के बाहर से गिरफ्तार किया गया, जिसके पास एक बैग से कुछ संपत्ति व गाड़ियों के कागजात बरामद हुए हैं, जिनकी जांच की जा रही है।

पूछताछ में आरोपी द्वारा बताया गया कि उसका बड़ा सौतेला भाई अजय भटेजा शराब पीने का आदी था जिसके पास देहरादून व मसूरी में कई संपत्तियां थी। उक्त सम्पतियों में आरोपी के पिता का पैसा भी लगा हुआ था। आरोपी द्वारा अजय भटेजा से पूर्व में कई बार अपनी प्रापर्टी में से कुछ हिस्सा देने को कहा गया था पर वह उसे सम्पत्ति में कोई हिस्सा न देकर सारा पैसा अपनी अययाशी व शराब में लुटा रहा था। बहरहाल पुलिस ने आरोपी को न्यायालय मे पेश कर जेल भेज दिया है।

दून वैली मेल

संपादकीय

इमरजेंसी से भी खतरनाक हालात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर नेता विपक्ष राहुल गांधी तक देश में इमरजेंसी की जो बात सार्वजनिक रूप से कह रहे हैं क्या वह सब कुछ हवा हवाई बातें हैं और राजनीतिक शगूफेबाजी है या फिर देश की आर्थिक और राजनीतिक स्थिति वास्तव में इमरजेंसी जैसी हो चुकी है जिसे खाड़ी युद्ध तथा राष्ट्रवाद की आड़ लेकर छिपाये जाने की कोशिशे सत्ता में बैठे नेता कर रहे हैं। सवाल वास्तव में अत्यंत ही गंभीर है। देश के बिगड़ते आर्थिक और राजनीतिक हालात का प्रभाव जनता पर पड़ रहा है वह अब उसकी रोजी-रोटी तथा कपड़ा और मकान की आवश्यक आवश्यकताओं तक पहुंच चुका है जिसे लेकर हर आम आदमी के अंदर बेचैनी और आक्रोश बढ़ता जा रहा है। इन बिगड़ते हालातो को लेकर अब तक सिर्फ विपक्ष सरकार पर सवाल उठाता रहा है लेकिन अब खुद मोदी इसकी घोषणा कर चुके हैं वहीं देश-विदेश के अर्थशास्त्रियों से लेकर सरकार में उच्च पदों पर बैठे अधिकारी भी सवाल उठा रहे हैं। तथा महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार से त्रस्त जनता ने सरकार के कपड़े फाड़ना शुरू कर दिए हैं। देश में बेरोजगारी की क्या स्थिति है? इस पर गौर करें तो 90 फीसदी युवा आबादी का बेरोजगार होना और नीट जैसी तमाम परीक्षाओं के पेपर लीक होने के साथ-साथ सीबीएसई जैसी परीक्षा में व्यापक धांधली ने इन युवाओं को ही नहीं हर आम आदमी को झकझोर कर रख दिया है। देश की शिक्षा व रोजगार व्यवस्था का इस तरह से ध्वस्त होना और उस पर युवाओं का गुस्सा स्वाभाविक है। इसके ऊपर से देश में आर्थिक ढांचे का भरभरा कर गिर जाना गंभीर चिंता का विषय है डॉलर के मुकाबले रुपए का अब मूल्यन तो सभी देख रहे हैं लेकिन अर्थव्यवस्था में होने वाली वह लीकेज इसके बारे में जानकारी खुद आरबीआई द्वारा दी गई है जिसमें बीते 5 सालों में 2 लाख करोड़ के फ्रॉड की बात सामने आई है इस तरह से भी समझा जा सकता है कि जनता की कमाई का 100 करोड़ रूपया हर रोज ठगा गया है सरकार और हमारा सिस्टम उसे रोक पाने में पूरी तरह विफल रहा है। अभी हाल ही में सेवी ने राजेश एक्सपोर्ट के जिस 15 लाख करोड़ के वित्तीय घोटाले का खुलासा किया है। वह सिर्फ चौंकाने वाला ही नहीं है बल्कि 7 साल तक देश की जांच एजेंसियों को इसकी भनक तक न लग पाना सरकार और सिस्टम की नाकामी बताने के लिए काफी है। खास बात यह है कि इस महा घोटाले में एलआईसी जैसी वित्तीय संस्था का भी 11 फीसदी पैसा लगा है। देश में कोरोना काल से ही डूब चुके देश के एसएसएमई सेक्टर की बदहाली से भी देश आज तक नहीं उबर सका है। देश का एक्सपोर्ट घटता जा रहा है घरेलू उत्पाद भी घट रहा है आयात पर निर्भरता बढ़ रही है विदेशी निवेशक अपना धन निकालकर भाग रहे हैं। बेरोजगारी सीमा पार जा चुकी है। ऐसी स्थिति में जनता पर लगातार महंगाई का बढ़ता बोझ असहनीय होता जा रहा है तब स्वाभाविक तौर पर सरकार के खिलाफ आम आदमी की नाराजगी भी बढ़ रही है। देश के लोकतंत्र को सरकार ने कैप्चर कर लिया है वह सिर्फ चुनाव जीतने के हथकंडों तक ही सिमट चुकी है यहां तक कि न्यायपालिका तक जनहितों की रक्षा नहीं कर पा रही है जिसका उदाहरण वह 27 लाख पश्चिम बंगाल के वोटर हैं जिन्हें मत के अधिकार से वंचित किया गया और मतदान की तिथि तक उनके केस पर फैसला लेने के बजाय यह कह दिया गया कि एक बार वोट नहीं डालोगे तो क्या बिगड़ जाएगा? इसे अगर इमरजेंसी नहीं कहा जाए तो क्या कहेंगे। सरकार भले ही कुछ भी दावे करें लेकिन देश में जिस तरह के राजनीतिक और आर्थिक हालात हैं वह अघोषित इमरजेंसी से भी खतरनाक है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर केदारघाट में चलाया वृहद गंगा स्वच्छता अभियान

उत्तरकाशी (प्र)। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में उत्तरकाशी जिले में गंगा विचार मंच नमामि गंगे उत्तराखण्ड के प्रांत संयोजक लोकेंद्र सिंह बिष्ट के तत्वावधान में मां गंगा जी के तट केदारघाट में वृहद गंगा स्वच्छता अभियान चलाया गया। स्वच्छता अभियान में आज जिला अधिकारी प्रशांत आर्य की अध्यक्षता में चिन्मय मिशन नोएडा व उत्तरकाशी से जुड़े विश्व भारती पब्लिक स्कूल नोएडा, दिल्ली विश्वविद्यालय, एमिटी यूनिवर्सिटी नोएडा, लार्ड महावीरा स्कूल दिल्ली के 100 छात्र छात्राओं, जिला गंगा समिति उत्तरकाशी, स्वजल विभाग, पुलिस विभाग, नगरपालिका उत्तरकाशी के साथ साथ विभिन्न संस्थाओं के लोग व स्कूल कालेजों के छात्र छात्राओं ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में चिन्मय मिशन नोएडा व उत्तरकाशी के स्वामी चिद्रूपानंद, ब्रह्मचारी राघवेंद्रानंद, स्वजल के प्रताप मतुड़ा, उत्तराखण्ड शासन से आए अनुभाग अधिकारी जितमणि पैन्यूली, जिला गंगा समिति से उत्तम पंवार, गंगा विचार मंच के प्रांत संयोजक लोकेंद्र सिंह बिष्ट, जिला संयोजक जयप्रकाश भट्ट, गंगा प्रहरी, गजेंद्र सिंह बिष्ट, कमला बिष्ट, योगा टीचर नीतू शर्मा, गीता गैरोला, मंगल पंवार सहित 200 स्वय सेवियों वो गंगा प्रहरियों ने हिस्सा लिया।

जब तक पहाड़ की जीवनशैली जिंदा रहेगी तब तक सुरक्षित रहेगा पर्यावरण

पहाड़ में 'रिसोर्स' नहीं, मां के रूप में है 'प्रकृति'

❑पहाड़ के गांवों में पर्यावरण संरक्षण कोई सरकारी योजना या अभियान नहीं जीवन का है हिस्सा
❑पहाड़ के गांवों में लोग जीते आ रहे हैं सदियों से प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व का जीवन
❑पहाड़ के लोग केवल पर्यावरण के उपभोक्ता ही नहीं, बल्कि उसके सबसे बड़े संरक्षक

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। आज दुनिया पर्यावरण संरक्षण के लिए नई तकनीकों और नीतियों पर अरबों रुपये खर्च कर रही है। लेकिन पहाड़ के लोगों ने बिना किसी बड़े बजट और प्रचार के सदियों तक जंगल, पानी और जैव विविधता को बचाकर रखा। उनकी जीवनशैली, परंपराएं और प्रकृति के प्रति सम्मान ही पर्यावरण संरक्षण का सबसे प्रभावी माडल है।

हिमालय की गोद में बसे उत्तराखंड के गांवों में पर्यावरण संरक्षण कोई सरकारी योजना या अभियान नहीं, बल्कि जीवन का हिस्सा रहा है। यहां जंगल केवल लकड़ी का स्रोत नहीं हैं, नदियां केवल पानी का माध्यम नहीं हैं और पहाड़ केवल भूमि का टुकड़ा नहीं हैं। यहां प्रकृति को मां, देवता और जीवनदाता के रूप में देखा जाता है।

आज जब जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग और पर्यावरणीय संकट पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय बन चुके हैं, तब पहाड़ के लोगों का जीवन दर्शन दुनिया को एक महत्वपूर्ण संदेश देता है प्रकृति के साथ संघर्ष नहीं, बल्कि सामंजस्य ही विकास का आधार होना चाहिए। उत्तराखंड में अनेक जंगल, जलस्रोत और पर्वत धार्मिक आस्था से जुड़े हैं।

गांवों के आसपास बने देववन और बुग्याल केवल प्राकृतिक धरोहर नहीं बल्कि सामुदायिक संरक्षण के उदाहरण हैं। वर्षों तक लोगों ने इन्हें अपनी आस्था और परंपराओं के माध्यम से सुरक्षित रखा। ग्रामीण समाज में पेड़ों को काटने से पहले अनुमति लेने, जलस्रोतों को साफ रखने और जंगलों के संरक्षण की परंपरा आधुनिक पर्यावरणीय कानूनों से कहीं पहले से मौजूद रही है।

जब पर्यावरण संरक्षण की बात होती है तो उत्तराखंड का नाम स्वत: सामने आ जाता है। 1970 के दशक में हुआ चिपको आंदोलन केवल एक आंदोलन नहीं था, बल्कि प्रकृति और समाज के रिश्ते का प्रतीक था। गांव की महिलाओं ने पेड़ों से चिपककर जंगलों को बचाने का जो संदेश दिया, उसने पूरी दुनिया को पर्यावरण संरक्षण का नया रास्ता दिखाया। यह आंदोलन साबित करता है कि पहाड़ के लोग जंगलों को संसाधन नहीं, बल्कि जीवन का आधार मानते हैं।

विडंबना यह है कि जिन लोगों ने सदियों तक जंगलों और जलस्रोतों की रक्षा की, आज वही लोग पलायन के कारण गांव छोड़ने को मजबूर हैं। खाली होते गांवों के साथ पारंपरिक संरक्षण व्यवस्था भी कमजोर हो रही है। कई स्थानों पर जलस्रोत सूख रहे हैं, खेती की जमीन बंजर हो रही है और जंगलों की निगरानी कम होती जा रही है। विशेषज्ञ मानते हैं कि पहाड़ को बचाना है तो पहाड़ के लोगों को गांवों में टिकाए रखना होगा। ▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

6 जून को दून में होगा भव्य ऑल इंडिया मुशायरा

हमारे प्रतिनिधि

देहरादून। साहित्य, संस्कृति और गंगा-जमुनी तहजीब के संवर्धन के लिए समर्पित प्रतिष्ठित साहित्यिक संस्था बज़्म-ए-आजर, देहरादून के तत्वावधान में आगामी 6 जून 2026 (शनिवार) को एक भव्य ऑल इंडिया मुशायरा आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम रात्रि 8:30 बजे से सुपर मून पब्लिक स्कूल, टर्नर रोड, देहरादून में आयोजित होगा।

संस्था के संस्थापक एवं वरिष्ठ शायर जनाब इकबाल आजर ने बताया कि इस राष्ट्रीय स्तर के मुशायरे में देश के विभिन्न राज्यों से प्रतिष्ठित और लोकप्रिय शायर अपनी रचनाओं का पाठ करेंगे। कार्यक्रम का उद्देश्य उर्दू अदब, शायरी और साझा सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुँचाना तथा साहित्यिक वातावरण को प्रोत्साहित करना है।

मुशायरे का विशेष आकर्षण प्रसिद्ध शायर, लेखक एवं विद्वान होंगे, जिनकी साहित्यिक सेवाओं और प्रभावशाली शायरी को देशभर में सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है। उनके कलाम में सामाजिक सरोकार, मानवीय संवेदनाएँ और उच्च साहित्यिक मूल्य प्रमुख रूप से दिखाई देते हैं।आयोजकों के अनुसार यह आयोजन केवल एक मुशायरा नहीं, बल्कि विभिन्न संस्कृतियों, भाषाओं और विचारों को जोड़ने का एक महत्वपूर्ण साहित्यिक मंच है, जहाँ शायरी के माध्यम से प्रेम, भाईचारे और इंसानी मूल्यों का संदेश प्रसारित किया जाएगा। कार्यक्रम में साहित्य प्रेमियों, बुद्धिजीवियों, शिक्षाविदों, विद्यार्थियों तथा आम नागरिकों की बड़ी संख्या में सहभागिता की अपेक्षा की जा रही है।

'कंक्रीट के शहर में तब्दील होते दून में ख्वाब बनती जा रही है हरियाली'

हमारे प्रतिनिधि

देहरादून। उत्तराखंड में पिछले पांच वर्षों में सरकारी विभागों द्वारा राज्य में कई करोड़ पेड़ पौधे रोपित किए गए जिनमें दून क्षेत्र में लाखों की संख्या में लगाए गए पेड़ भी शामिल थे। संरक्षण के अभाव में अधिकांश परलोक सुधार गए, जिंदा बचे पेड़ों की संख्या बहुत कम है। करोड़ों रुपए बहाने के बाद भी कंक्रीट के शहर में तब्दील होते दून में हरियाली ख्वाब बनती जा रही है। शत प्रतिशत पौधारोपण अभियान की सफलता इसके संरक्षण पर निर्भर होती है। हरेला पर्व को इवेंट न बनाकर इसको धरातल पर उतारना होगा।

ये विचार विश्व पर्यावरण दिवस पर संयुक्त नागरिक संगठन द्वारा नेमी रोड पर आयोजित संवाद जिसका विषय पर्यावरण बनाम प्रदूषण दून वासियों की चिंताएं तथा सुझाव था, में पर्यावरण प्रेमियों के थे। वक्ताओं ने कहा है की सड़कों पर बढ़ते वाहनों की संख्या से निकलने वाली हानिकारक गैसे,बढ़ती आबादी तथा संसाधनों की कमी से कचरा प्रबंधन की नाकामयाबी,नदियों में डंप

होते कूड़ा करकट की आदतों ने आमजन के स्वास्थ्य को गंभीर आघात पहुंचाया है।

वक्ताओं का सुझाव था की सिंगल यूज प्लास्टिक की निर्माता/विक्रेता कंपनियों को भी हमेशा के लिए बंद कर दिया जाए जिससे यह उपभोक्ताओं तक पहुंच ही न सके।तभी शहर की सफाई व्यवस्था को कुछ हद तक काबू में लाया जा सकेगा। शहर में डीजल, पेट्रोल से चलने वाले टेंपो,थ्री व्हीलर, सिटी बसों की जगह इलेक्ट्रिक वाहनों को ही बढ़ावा दिया जाए।

शहरी विकास विभाग को स्पष्ट नीति अपनाकर राज्य में व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, हाईराइज बिल्डिंग्स के निर्माण हेतु दी जाने वाली अनुमति में उनके परिसरों में वृक्षारोपण अनिवार्य बनाकर इनका क्रियान्वयन कराया जाना पर्यावरणीय हित में जरूरी है।

संवाद में रायपुर क्रिकेट स्टेडियम के सामने स्थित सूखे पेड़ों के कब्रिस्तान के पास पौधारोपण करने का भी निर्णय लिया गया। संवाद में शामिल नरेशचंद्र कुलाश्री, राजीव खनसाली, मोहन सिंह खत्री, डॉ राकेश डंगवाल,लै कर्नल बीएम थापा, ब्रि.केजी बहल,एम एस रावत, मुकेश नारायण शर्मा,सुशील त्यागी, है डा.दिनेश सक्सेना,दिनेश भंडारी, उमेश्वर सिंहरावत,एस एस गोसाई, रणजीतसिंह कैंथुरा,अवधेश शर्मा, राजेंद्र सिंह रावत, आदि शामिल थे।

सेलाकुई में हादसों को दावत दे रहीं पुलों की टूटी रेलिंग

विकासनगर(आरएनएस)। औद्योगिक नगरी सेलाकुई में राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग की लापरवाही अब लोगों की जान पर भारी पड़ सकती है। नगर पंचायत क्षेत्र की दोनों सीमाओं पर स्थित पुलों की टूटी रेलिंग लंबे समय से हादसों को न्योता दे रही हैं। लेकिन जिम्मेदार विभाग अब तक मरम्मत कराने में नाकाम साबित हुआ है। स्थानीय लोगों और वाहन चालकों में इसे लेकर आक्रोश है।बता दें कि गुरुद्वारा श्री तेग बहादुर साहिब के सामने स्थित पुल पर 1० मई को बड़ा हादसा होते-होते टल गया था। एक कार को बचाने के प्रयास में एक डंपर अनियंत्रित होकर पुल की रेलिंग तोड़ता हुआ पुल से नीचे लटक गया था। गनीमत रही कि चालक की जान बच गई। हादसे के बाद पुल के एक ओर की रेलिंग पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि दूसरी ओर की रेलिंग पहले ही एक ट्रक की टक्कर से टूटी पड़ी है। लंबे समय से टूटी रेलिंग की अब तक मरम्मत नहीं कराई गई है। इतना ही नहीं, नगर पंचायत सीमा से सटे स्वारना पुल की रेलिंग भी काफी समय पहले एक कंटेनर की टक्कर के बाद टूट गई थी। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कई बार शिकायतों के बावजूद एनएच विभाग ने इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया। वाहन चालकों का कहना है कि रात के समय पुलों पर सफर करना बेहद खतरनाक हो गया है। चालक सुरेश श्रीवास्तव, पंकज कुमार, सुदीप मेहरा, प्रकाश तिवारी और हेमंत वर्मा ने बताया कि सामने से आने वाले वाहनों की तेज रोशनी के कारण रात के समय यह अंदाजा लगाना मुश्किल हो जाता है कि सड़क कहां खत्म हो रही है और पुल कहां शुरू हो रहा है। टूटी रेलिंग के कारण जरा सी चूक बड़े हादसे में बदल सकती है। स्थानीय निवासी मुकेश बेंजवाल, राम प्रसाद, मनोज श्रीवास्तव ने कहा कि एनएच विभाग किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार कर रहा है।

क्षेत्र पंचायत सचिव व्यवस्था में बदलाव के प्रस्ताव का विरोध

कोटद्वार(आरएनएस)। क्षेत्र पंचायत सचिव व्यवस्था में प्रस्तावित बदलाव को लेकर क्षेत्र पंचायत प्रमुख दुगड्डा सूरज सिंह नेगी ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर पुनर्विचार की मांग की है। उन्होंने खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) के स्थान पर सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) को क्षेत्र पंचायत का सचिव बनाए जाने के प्रस्ताव को जनहित और प्रशासनिक दृष्टि से उचित नहीं बताया है। पत्र में कहा है कि राज्य सरकार क्षेत्र पंचायत सचिव व्यवस्था में परिवर्तन करने पर विचार कर रही है। प्रस्ताव के अनुसार वर्तमान में क्षेत्र पंचायत सचिव की जिम्मेदारी निभा रहे खंड विकास अधिकारी के स्थान पर सहायक विकास अधिकारी को यह दायित्व सौंपा जा सकता है। उन्होंने इस प्रस्ताव को मंत्रिमंडल के समक्ष प्रस्तुत किए जाने से पूर्व व्यापक स्तर पर पुनर्विचार करने का अनुरोध किया है। बीडीओ विकास खंड स्तर के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी होते हैं जिन्हें शासन की विभिन्न योजनाओं, वित्तीय प्रबंधन और प्रशासनिक प्रक्रियाओं का व्यापक अनुभव होता है। ऐसे में क्षेत्र पंचायत सचिव के रूप में उनकी भूमिका योजनाओं के प्रभावी संचालन और समन्वय के लिए महत्वपूर्ण है।

जांच में पनीर के नमूने में मिला डिटर्जेंट

उत्तरकाशी(आरएनएस)। खाद्य सुरक्षा व्यवस्था पर उस समय गंभीर सवाल खड़े हो गए जब प्रयोगशाला जांच में पनीर के एक नमूने में डिटर्जेंट मिला। जांच रिपोर्ट में नमूने को असुरक्षित घोषित किए जाने के बाद जिला कांग्रेस कमेटी ने मामले को जनता के स्वास्थ्य से जुड़ा गंभीर अपराध बताया है। कांग्रेसियों ने दोषियों के खिलाफ तत्काल उचित कार्रवाई की मांग की है।जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रदीप सिंह रावत के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी से मुलाकात कर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उत्तराखंड के आयुक्त के नाम ज्ञापन सौंपा। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि यदि रोजमर्रा की खाद्य सामग्री में डिटर्जेंट जैसी खतरनाक मिलावट पाई जा रही है तो यह पूरे खाद्य सुरक्षा तंत्र की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है।ज्ञापन में बताया गया कि पूर्व जिलाध्यक्ष युवा कांग्रेस सुधीश पंवार की ओर से जांच के लिए उपलब्ध कराए गए पनीर के नमूने की प्रयोगशाला रिपोर्ट में डिटर्जेंट की पुष्टि हुई है। रिपोर्ट के अनुसार यह नमूना खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 व भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण के निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं पाया गया और इसे असुरक्षित घोषित किया गया है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रदीप ने कहा कि खाद्य पदार्थों में डिटर्जेंट जैसी हानिकारक सामग्री का मिलना बेहद चिंताजनक है। ज्ञापन सौंपने वालों में जिलाध्यक्ष प्रदीप रावत, जीतम सिंह रावत, सुधीश पंवार, भगवान चंद शामिल रहे।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

जब आधुनिक दवाएं भी हार मान लें, वहां उम्मीद की आखिरी किरण जगाती है देवभूमि की यह थाती

उच्यणू है 'अनहोनी' का 'पहाड़ी' इलाज

❑लंबी बीमारी हो या अचानक आया कोई बड़ा संकट 'उच्यणू' की एक पोटली में छिपी होती है सुकून की उम्मीद

❑संकट के वक्त जब समझ न आए कोई रास्ता, तब ईष्ट देवों के आगे शीश नवाकर ऐसे रखा जाता है उच्यणू

❑आधुनिक चिकित्सा के दौर में भी उत्तराखंड के कई गांवों में जीवित है यह अनोखा लोकविश्वास

❑लोकसंस्कृति, आस्था और सामुदायिक विश्वास का अनूठा संगम है पहाड़ की अनोखी परंपरा

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड के पहाड़ों में आज भी ऐसी अनेक परंपराएं जीवित हैं, जो आधुनिकता की तेज रफ्तार के बावजूद लोगों के जीवन का हिस्सा बनी हुई हैं। इन्हीं में से एक है 'उच्यणू'। जब किसी व्यक्ति की बीमारी लंबे समय तक ठीक नहीं होती, परिवार पर लगातार संकट आते हैं या किसी अनहोनी का कारण समझ नहीं आता, तब गांवों में आज भी उच्यणू रखा जाता है।

गढ़वाल और कुमाऊं के अनेक ग्रामीण इलाकों में प्रचलित यह परंपरा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि लोकजीवन और सांस्कृतिक चेतना का महत्वपूर्ण हिस्सा मानी जाती है। लोगों का विश्वास है कि कभी-कभी कुलदेवता, ग्रामदेवता या स्थानीय देवी-देवताओं के रूठ जाने से परिवार पर संकट आ सकता है। ऐसे में देवताओं की इच्छा और नाराजगी का कारण जानने के लिए उच्यणू आयोजित किया जाता है।

उच्यणू के दौरान गांव के जागरिया, पश्वा या देववक्ता को बुलाया जाता है। ढोल-दमाऊं और मंत्रोच्चारण के बीच देवी-देवताओं का आह्वान किया जाता है। लोकमान्यता है कि इस प्रक्रिया में देवता पश्वा पर अवतरित होकर परिवार की समस्या का कारण बताते हैं और उसके समाधान का मार्ग भी सुझाते हैं।

पहाड़ के बुजुर्ग बताते हैं कि पहले जब चिकित्सा सुविधाएं सीमित थीं, तब उच्यणू सामाजिक और मानसिक सहारे का माध्यम भी था। बीमारी के दौरान पूरा गांव एक परिवार के साथ खड़ा होता था। लोग एक-दूसरे के दुख-दर्द में सहभागी बनते थे और सामूहिक रूप से समाधान खोजने का प्रयास करते थे।

समाजशास्त्रियों के अनुसार उच्यणू केवल धार्मिक आयोजन नहीं है, बल्कि यह सामुदायिक एकजुटता का प्रतीक भी है। इसके माध्यम से लोकपरंपराएं, लोकसंगीत, लोकभाषा और सांस्कृतिक विरासत पीढ़ी-दर-पीढ़ी हस्तांतरित होती रही हैं। हालांकि नई पीढ़ी के बीच वैज्ञानिक सोच और आधुनिक चिकित्सा के प्रसार के कारण इस परंपरा का प्रभाव कुछ क्षेत्रों में कम हुआ है, फिर भी दूरस्थ गांवों में उच्यणू आज भी लोगों की आस्था का केंद्र बना हुआ है। कई परिवार आधुनिक उपचार के साथ-साथ देवताओं का आशीर्वाद लेने के लिए भी इस परंपरा का सहारा लेते हैं।

उत्तराखंड की सांस्कृतिक विरासत में उच्यणू केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि पहाड़ के उस जीवन दर्शन का हिस्सा है जिसमें प्रकृति, देवता और मनुष्य एक-दूसरे से गहरे जुड़े हुए माने जाते हैं। बदलते समय में भी यह परंपरा पहाड़ की लोकआस्था और सांस्कृतिक पहचान को जीवित रखने का कार्य कर रही है।

नई टिहरी में सात जून को नहीं आएगा पानी

नई टिहरी(आरएनएस)। नई टिहरी नगर क्षेत्र में सात जून को पानी की आपूर्ति पूरी तरह बाधित रहेगी जबकि आठ जून को शहर में आंशिक रूप से जलापूर्ति की जाएगी। जल संस्थान ने शहरवासियों से आवश्यकतानुसार पहले से पानी का भंडारण करने की अपील की है। जल संस्थान के ईई प्रशांत भारद्वाज ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नई टिहरी पंपिंग पेयजल योजना के अंतर्गत स्थापित पेयजल भंडारण टैंकों की सफाई और अनुरक्षण कार्य किया जाना है। इसके लिए सात जून को शहर की जलापूर्ति पूरी तरह बंद रखी जाएगी। पानी की आपूर्ति प्रभावित रहने के दौरान उपभोक्ताओं को जरूरत पड़ने पर टैंकरों के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा। बताया पेयजल व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के लिए टैंकों की सफाई और अनुरक्षण कार्य जरूरी है।

लंबे इंतजार बाद टिहरी झील में फिर शुरू हुआ मत्स्य आखेट

नई टिहरी(आरएनएस)। लंबे इंतजार के बाद टिहरी बांध की झील में फिर से मत्स्य आखेट शुरू गया हैं। अब झील में केज कल्चर (जालीदार पिंजरों में मछली पालन) की भी तैयारी शुरू हो गई है। प्रदेश सरकार ने देहरादून की स्काईपी टेक कंसल्टेंट प्राइवेट लिमिटेड के साथ 1० वर्षों के लिए अनुबंध किया है। कंपनी झील में मत्स्य आखेट के साथ ही 12०० स्थानों पर जालीदार पिंजरों के माध्यम से मछली पालन भी करेगी। इससे झील में सालभर पर्याप्त मात्रा में मछली उपलब्ध रहने की उम्मीद जताई जा रही है। करीब 42 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैली टिहरी बांध की झील प्रदेश की सबसे बड़ी जलाशयों में से एक है। यहां व्यावसायिक मत्स्य पालन और आखेट के लिए सरकार ने निविदा प्रक्रिया के माध्यम से अनुबंध किया है। कंपनी ने झील में अपनी गतिविधियां शुरू कर दी हैं। वर्तमान में औसतन 7० से 8० क्विंटल मछली प्रतिमाह उपलब्ध हो रही है। झील में करीब 12०० स्थानों पर केज कल्चर स्थापित किया जा रहा है। केज कल्चर के तहत झील में पानी के भीतर जालीदार पिंजरे लगाए जाते हैं। उनमें मछलियों का पालन किया जाता है। इससे प्राकृतिक मत्स्य संसाधनों पर दबाव कम पड़ता है। टिहरी झील में कॉमन कार्प, रोहू, कतला और नैनी प्रजाति की मछलियां प्रचुर मात्रा में पाई जाती है। केज कल्चर शुरू होने से प्रजातियों के उत्पादन में भी वृद्धि होने की उम्मीद है। कंपनी को इस कार्य के लिए प्रदेश सरकार को प्रतिवर्ष 6० लाख का राजस्व शुल्क भी देना होगा।

वन पंचायतों में गैर काष्ठीय वन उपज और हर्बल पर्यटन को बढ़ावा देने पर जोर

अल्मोड़ा(आरएनएस)। जनपद की वन पंचायतों में गैर काष्ठीय वन उपज के विकास तथा हर्बल एवं अरोमा पर्यटन परियोजना के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने संबंधित विभागों को क्लस्टर आधारित मॉडल पर कार्य करने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने कहा कि योजना के माध्यम से ग्रामीणों, विशेषकर युवाओं और महिलाओं के लिए रोजगार और स्थायी आजीविका के अवसर सृजित किए जाएं। मंगलवार को आयोजित क्लस्टर स्तरीय निगरानी समिति की बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि वन पंचायतों का चयन और गतिविधियों का संचालन ऐसी योजना के तहत किया जाए, जिससे स्थानीय संसाधनों का बेहतर उपयोग हो सके और अधिकतम लोगों को लाभ मिले। उन्होंने कहा कि जिले में उपलब्ध वन संपदा तथा औषधीय एवं सगंध पौधों की प्रचुरता को स्थानीय आर्थिक विकास से जोड़ना आवश्यक है। इसके लिए सभी विभागों को समन्वय के साथ कार्य करते हुए परियोजना को परिणामोन्मुख और जनहितकारी बनाना होगा। उन्होंने स्थानीय उत्पादों को पहचान दिलाने और उनके लिए बाजार उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया। बैठक में प्रभागीय वनाधिकारी दीपक सिंह ने बताया कि गैर काष्ठीय वन उपज विकास तथा हर्बल एवं अरोमा पर्यटन परियोजना राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है। इसका उद्देश्य वन पंचायतों में औषधीय और सगंध पौधों के उत्पादन को बढ़ावा देकर स्थानीय लोगों को आजीविका के अवसर उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि यह परियोजना वर्ष 2०23-24 से शुरू की गई है और वर्ष 2०33-34 तक संचालित रहेगी। योजना केवल वन पंचायतों में लागू होगी, जहां विभिन्न विभाग तकनीकी और अन्य आवश्यक सहयोग प्रदान करेंगे। परियोजना के अंतर्गत होने वाले कार्यों का संचालन स्थानीय समुदाय और वन पंचायतों के माध्यम से किया जाएगा, जिससे ग्रामीणों की भागीदारी बढ़ेगी और उन्हें प्रत्यक्ष आर्थिक लाभ मिल सकेगा। बैठक में प्रभागीय वनाधिकारी प्रदीप धौलाखंडी, मुख्य विकास अधिकारी रामजी शरण शर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

लैपटॉप को घर पर इन 5 तरीकों से करें क्लीन, दिखेगा नए जैसा

लैपटॉप हमारा दैनिक कामकाज करने का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। चाहे ऑफिस का काम हो या फिर घर पर मनोरंजन, हम लैपटॉप के बिना अपने काम पूरे नहीं कर पाते। हम लगभग हर जगह लैपटॉप का इस्तेमाल करते हैं।इस वजह से लैपटॉप पर तरह-तरह के बैक्टीरिया, वायरस और गंदगी जमा हो जाती है। जो लैपटॉप को गंदा दिखाने के साथ-साथ उसकी लाइफ को भी कम कर देते हैं। लैपटॉप को साफ रखना बेहद जरूरी हो जाता है।अकसर लोग लैपटॉप को साफ कराने के लिए सर्विस सेंटर जाते हैं, लेकिन घर पर भी कुछ आसान तरीकों से आप इसे क्लीन और हाइजीनिक बना सकते हैं। घर पर भी हम बिना किसी परेशानी के लैपटॉप की सफाई कैसे करें आइए जानते हैं लैपटॉप को साफ करने के 5 बेहतरीन तरीके।

स्क्रीन की सफाई

* इसके लिए मुलायम कपड़ा या माइक्रोफाइबर क्लॉथ उपयोगी होता है।

* थोड़ा डिस्टिल्ड वाटर या विशेष स्क्रीन क्लीनर कपड़े पर डालें। सीधे स्क्रीन पर डालने से बचें।

* स्क्रीन पर हल्के हाथ से रगड़ें और सूखने दें। स्क्रीन पर सीधा पानी न जाए इससे बचें ।

कीबोर्ड की सफाई

* लैपटॉप को बंद कर दें।

* कंप्रेस्ड एयर का कैन लेकर, कीबोर्ड की दरारों से धूल निकालें।

* अल्कोहॉल और पानी का समान मिश्रण तैयार करें और इसे कॉटन स्वैब में डुबोकर कीबोर्ड की कुंजियों को साफ करें।

टचपैड और लैपटॉप की बाहरी सतह

* एक मुलायम कपड़ा लें और उसमें थोड़ा डिस्टिल्ड वाटर या अल्कोहॉल मिश्रण डालें।

* धीरे से बाहरी भाग रखें और साफ करें।

पोर्ट्स और वेंट्स

* इन्हें साफ करने के लिए कंप्रेस्ड एयर का प्रयोग करें, जिससे इनमें जमी हुई धूल बाहर निकल जाएगी।

जानें क्या बरतें सावधानी

* लैपटॉप की सफाई से पहले, सुनिश्चित करें कि यह बंद है और बिजली के सोर्स से अलग हो।

* कभी भी सीधा पानी या ड्रॉपलेट्स लैपटॉप पर न डालें।

* कभी भी ज्यादा दबाव या जोर से रगडने़ का प्रयास न करें, इससे लैपटॉप को नुकसान हो सकता है। यदि इन तरीकों का पालन करते हैं, तो आपका लैपटॉप बिल्कुल साफ हो जाएगा।

30 सेकेंड का काम, इंफेक्शन और बीमारियों का होगा काम तमाम

हमारी दिनचर्या और खानपान का असर सेहत पर सीधा पड़ता है। इसीलिए हेल्थ एक्सपर्ट हमेशा हेल्दी आहार और सही लाइफस्टाइल अपनाने की सलाह देते हैं। अगर हमारी आदतें अच्छी हैं तो शरीर का इम्यून सिस्टम अच्छा होता है और इससे कई तरह की संक्रामक बीमारियों से बचने में मदद मिलती है। जैसे- हाथों की साफ-सफाई से ही आप अपनी सेहत को काफी हद तक बेहतर बना सकते हैं। कोरोना महामारी के दौरान भी संक्रमण से बचने के लिए बार-बार हाथ धोने की सलाह दी गई थी। यह आदत हमेशा अपनानी चाहिए। क्योंकि हाथ धोने से कई तरह के फायदे हो सकते हैं।

संक्रामक बीमारियां से बचाव

हाथों को सही तरह और समय-समय पर धोने से संक्रामक बीमारियों का खतरा कम हो सकता है। दरअसल, कई तरह के बैक्टीरिया और वायरस किसी भी सतह पर मौजूद रहते हैं, जब हम उन्हें छूते हैं तो वे हाथों के जरिए शरीर में पहुंच सकते हैं। यही कारण है कि हाथों की साफ-सफाई से कोरोना, फ्लू जैसे संक्रामक बीमारियों से बच सकते हैं।

पेट और सांस संबंधी बीमारियों का रिस्क कम

हाथ धोने की आदत पेट और सांस से जुड़ी बीमारियों का रिस्क 30 प्रतिशत तक कम कर सकती है। अक्सर संक्रमण होने पर एंटीबायोटिक्स लेने की सलाह दी जाती है। हालांकि, कई अध्ययन में बताया गया है कि ज्यादा एंटीबायोटिक्स के सेवन से एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस के केस बढ़ रहे हैं। ऐसे में हाथों की स्वच्छता का ध्यान रखकर बीमारियों से बचने के साथ ही एंटीबायोटिक्स का सेवन कम कर सकते हैं।

इस तरह रखें हाथों की सफाई

हाथ धोने की आदत कोविड एप्रोप्रिएट बिहेवियर का हिस्सा माना जाता है। इस आदत को अपनी दिनचर्या में शामिल कर आप कई तरह की संक्रामक बीमारियों को फैलने से रोक सकते हैं। हाथों की साफ-सफाई पानी और साबुन से अच्छी तरह करनी चाहिए। हैंड सैनिटाइजर का इस्तेमाल कर सकते हैं। हेल्थ एक्सपर्ट भी हर उम्र के लोगों को यह आदत अपनाने की सलाह देते हैं।

तेज धूप ना छीन लें आपकी त्वचा का निखार

गर्मियों के मौसम में चिलचिलाती धूप सेहत के साथ स्किन को भी नुकसान पहुंचाने का काम करती हैं। गर्मियों में स्किन पर आने वाले पसीने और जमने वाली गंदगी की वजह से वह बेजान और रूखी हो जाती है। आपको इस मौसम में होने वाले रैश, टैन, सनबर्न और एक्ने से बचने की जरूरत है, क्योंकि आपकी स्किन सुरक्षा की मांग करती है। ऐसे में कई लोग गर्मी के मौसम में अपनी स्किन को लेकर बहुत अधिक चिंतित रहते हैं और वे बाहर जाने से कतराने लगते हैं। लेकिन कुछ आसान से टिप्स अपनाए जाएं तो स्किन की अच्छे से देखभाल की जा सकती हैं। आज हम आपको कुछ स्किन केयर टिप्स बताने जा रहे हैं जिनकी मदद से आपकी स्किन गर्मियों में भी खिली-खिली नजर आएगी। आइये जानते हैं इन टिप्स के बारे में...

गर्मी के मौसम में ऑयली स्किन ज्यादा ऑयली हो जाती है। इससे बचने के लिए जरूरी है कि आप अपनी स्किन के अनुकूल फेस वॉश का इस्तेमाल करें। फेस वॉश गहराई में जाकर स्किन को साफ करता है, और हर तरह की धूल और गंदगी को बाहर निकालता है। जिन लोगों की स्किन ड्राई है, उन्हें बिना फोम वाले क्लींजर की जरूरत पड़ती है। इन्हें माइल्ड, अल्कोहल फ्री और पीएच बैलेंस्ड क्लींजर का इस्तेमाल करना चाहिए।

ज्यादा से ज्यादा पानी पीने से स्किन ही नहीं हेल्थ को भी कई फायदे मिलते हैं। आपको 15 दिन ही नहीं हर रोज सही मात्रा में पानी पीना चाहिए। कहते हैं कि शरीर में पानी की मात्रा सही होने पर खून साफ होता है और इस कारण चेहरा ग्लो करने लगता है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक हम सभी को एक दिन में करीब 3 लीटर पानी कम से कम जरूर पीना चाहिए। आप चाहे तो दिन में एक नारियल पानी भी पी सकते हैं।

सूरज की किरणों से त्वचा को नुकसान पहुंच सकता है। सूरज की किरणें त्वचा को समय से पहले बूढ़ा बना सकती हैं। साथ ही झुर्रियां, फाइन लाइंस की समस्या भी पैदा हो सकती है। सूरज की हानिकारक किरणों से बचने के लिए आपको गर्मियों में सनस्क्रीन जरूर लगाना चाहिए। आप 30-40 एसपीएफ वाला सनस्क्रीन लगा सकते हैं। इससे त्वचा टैनिंग से बचेगी, साथ ही काले-धब्बे भी नहीं पड़ेंगे।

डाइट में विटामिन, न्यूट्रिएंट्स और एंटी ऑक्सीडेंट्स की मात्रा बढ़ा दें। जितना हो सके फ्रूट्स और सब्जियां खाएं। इससे स्किन में कोलेजन के प्रोडक्शन बढ़ता है और स्किन डैमेज होने से बची रहती है।

कहते हैं कि मालिश करने से ब्लड सर्कुलेशन में सुधार आता है और ऐसा ही कुछ चेहरे की स्किन के साथ भी है। अगर आप लगातार 15 दिन चेहरे की मसाज करते हैं, तो इससे ग्लोइंग स्किन पा सकते हैं। आप चाहे तो वर्जिन कोकोनट ऑयल का इस्तेमाल कर सकते हैं। एक्सपर्ट्स के मुताबिक ऐसा करने से स्किन अंदर से रिपेयर होती है और उसमें नमी बरकरार रहती है। साथी स्किन सॉफ्ट भी हो जाती है, इसलिए शुरू के 15 दिन रोजाना चेहरे की हल्के हाथों से मसाज जरूर करें।

त्वचा को एक्सफोलिएट करना बहुत जरूरी होता है। त्वचा को एक्सफोलिएट करने से चेहरे पर जमा गदंगी, एक्सट्रा ऑयल निकल जाता है। साथ ही त्वचा से डेड स्किन सेल्स भी रिमूव हो जाती है। इसके लिए आप किसी अच्छे स्क्रबर का इस्तेमाल करें। आप चाहें तो चीनी और कॉफी का स्क्रबर तैयार कर सकते हैं। इससे चेहरे पर हल्के हाथों से मालिश करें, 5 मिनट बाद चेहरा धो लें।

गर्मियों में अधिक मेकअप से स्किन पोर्स बंद हो जाते हैं जिससे स्किन पर इंफ्लामेशन और रैश की समस्या हो सकती है। हमेशा मेकअप से पहले एक अच्छे एसपीएफ फेस पाउडर का इस्तेमाल करें।

शब्द सामर्थ्य -057

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. घुमाव-फिराव वाला, आड़ा-तिरछा, जो कठिन हो 3. कुशलता, दक्षता, विशेषज्ञता 6. लोग, प्रजा 7. सीता, जनकनंदनी 9. सुंदर, कामना करने योग्य 10. क्रोधपूर्वक बोलने को उद्यत होना, जोश में आना, क्रोधातिरेक में चेहरे का लाल होना 13. अधीनता, मातहती, वश 14. दबाव, भार, वजन 16. हद, मर्यादा 18. प्रमाण-पत्र, प्रमाणिक कथन या बात 19. पछताना (मुहा.) 21. अनुचित मिश्रण, मिलावट 22. विफल, बेहोश, बौखलाया हुआ।

ऊपर से नीचे

1. सहारा, आश्रय, प्रतिज्ञा, संकल्प 2. परिश्रम 4. रात, रात्रि, निशा 5. पुत्र, बेटा 8. मूल्य, दाम 9. कपड़े का मोटा परदा 11. संदेश भेजना, उच्चारण कराना, कहलवाना 12. मृतकों को जीवित और रोगियों को स्वस्थ कर देने वाला व्यक्ति, प्रेमपात्र की संज्ञा 14. देने की क्रिया, खैरात 5. कुमार्गी, दुराचारी 17. मस्तक, माथा, ललाट 18. प्रश्न, समस्या 20. सहायता, सहारा 21. पशुओं को खिलाने वाली हरी पत्तियां, तृण, तिनका।

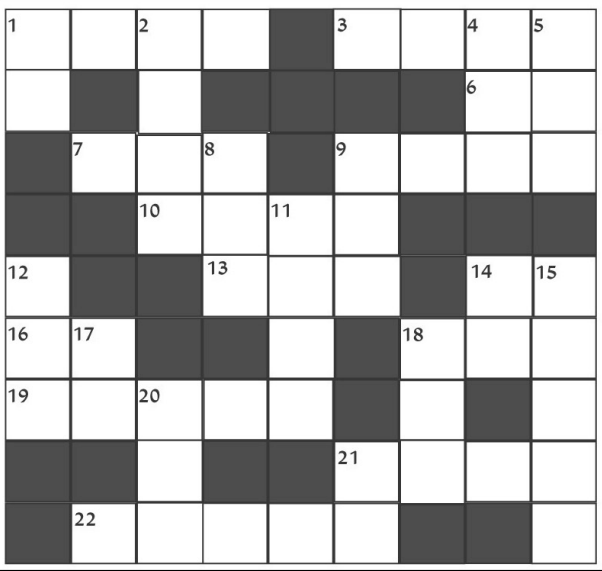

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 56 का हल

ज	द्दो	जे	ह	द	■	स	पू	त
ल	■	ब	ल	वा	न	■	■	द
म	ह	क	■	खा	म	खां	■	बी
ग्न	■	त	ल	ना	■	स	फ	र
■	म	रा	■	■	■	ना	टा	■
■	हि	■	स	■	■	■	फ	न
■	ला	ज	वा	ब	■	म	ट	र
मां	■	ग	■	सं	त	ति	■	भ
■	मा	त	ह	त	■	■	प	क्षी

मिक्सी में चुकंदर के जूस को बनाने के लिए आजमाएं ये 5 रेसिपी

चुकंदर का जूस न केवल स्वादिष्ट होता है, बल्कि यह सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद है। इसमें विटामिन-सी और कई अन्य पोषक तत्व होते हैं, जो शरीर को ऊर्जा देते हैं और रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं। इस लेख में हम आपको मिक्सी में चुकंदर के जूस की कुछ बेहतरीन रेसिपी बताएंगे, जिन्हें आप आसानी से घर पर बना सकते हैं। इन जूसों का सेवन आपके स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभकारी हो सकता है।

चुकंदर और गाजर का जूस- चुकंदर और गाजर का जूस एक बेहतरीन मेल है, जो शरीर को ऊर्जा देता है और आंखों की रोशनी को बढ़ाता है। इसे बनाने के लिए आपको ताजे चुकंदर और गाजर की जरूरत होगी। सबसे पहले चुकंदर और गाजर को अच्छे से धोकर छील लें, फिर उन्हें छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। अब इन टुकड़ों को मिक्सी में डालकर पीस लें और इसमें थोड़ी चीनी या शहद मिलाएं। फिर इसे ठंडा-ठंडा परोसें और इसका आनंद लें।

चुकंदर और संतरे का जूस- संतरे का रस विटामिन-सी से भरपूर होता है, जो शरीर की सुरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाने में मदद करता है, जबकि चुकंदर में मौजूद आयर्न खून के संचार को बेहतर बनाता है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले ताजे संतरे और चुकंदर को अच्छे से धोकर छील लें, फिर उन्हें छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। अब इन टुकड़ों को मिक्सी में डालकर पीस लें और इसमें थोड़ी चीनी या शहद मिलाएं। ठंडा-ठंडा परोसें और इसका आनंद लें।

चुकंदर और नींबू का जूस- नींबू में विटामिन-सी होता है, जो त्वचा को चमकदार बनाने में मदद करता है, जबकि चुकंदर में मौजूद तत्व शरीर को साफ करते हैं। इसे बनाने के लिए सबसे पहले ताजे चुकंदर और नींबू को अच्छे से धोकर छील लें, फिर उन्हें छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। अब इन टुकड़ों को मिक्सी में डालकर पीस लें और इसमें थोड़ा चीनी या शहद मिलाएं। फिर इसे ठंडा-ठंडा परोसें और इसका आनंद लें।

चुकंदर और पुदीने का जूस-पुदीना पाचन को सुधारने में सहायक होता है और चुकंदर में मौजूद आयर्न खून के संचार को बेहतर बनाता है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले ताजे पुदीने के पत्ते और चुकंदर को अच्छे से धोकर छील लें, फिर उन्हें छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। अब इन टुकड़ों को मिक्सी में डालकर पीस लें और इसमें थोड़ी चीनी या शहद मिलाएं। ठंडा-ठंडा परोसें और इसका आनंद लें।

चुकंदर और अदरक का जूस- अदरक में मौजूद गरमाहट शरीर को गर्मी देती है, जबकि चुकंदर में मौजूद तत्व शरीर को साफ करते हैं। इसे बनाने के लिए सबसे पहले ताजे अदरक और चुकंदर को अच्छे से धोकर छील लें, फिर उन्हें छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। अब इन टुकड़ों को मिक्सी में डालकर पीस लें और इसमें थोड़ा चीनी या शहद मिलाएं। फिर इसे ठंडा-ठंडा परोसें और इसका आनंद लें।

गाजर के शौकीन हैं? जानिए इससे बनाए जाने वाले व्यंजनों की रेसिपी

गाजर एक पौष्टिक और स्वादिष्ट सब्जी है। यह न केवल सलाद में अच्छी लगती है, बल्कि इससे कई तरह के स्वादिष्ट व्यंजन भी बनाए जा सकते हैं। गाजर में विटामिन-ए, विटामिन-सी और फाइबर भरपूर मात्रा में होते हैं, जो हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद हैं।

गाजर का हलवा- गाजर का हलवा एक पारंपरिक भारतीय मिठाई है, जिसे खास मौकों पर बनाया जाता है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले गाजरों को कदूकस करें और फिर उन्हें दूध में उबालें। दूध जब गाढ़ा हो जाए तो उसमें चीनी, घी, काजू और किशमिश डालकर पकाएं। अंत में इसमें इलायची पाउडर डालें और गर्मागर्म परोसें। यह मिठाई न केवल स्वादिष्ट है बल्कि इसमें मौजूद पोषक तत्व भी आपके स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होते हैं।

गाजर का रायता- गाजर का रायता एक ताजगी भरा व्यंजन है, जिसे आप किसी भी मुख्य भोजन के साथ परोस सकते हैं। इसे बनाने के लिए सबसे पहले दही को अच्छे से फेंट लें और उसमें कदूकस की हुई गाजर मिलाएं। इसके बाद इसमें भुना जीरा पाउडर, नमक और थोड़ा सा लाल मिर्च पाउडर डालकर अच्छे से मिलाएं। यह रायता न केवल खाने को स्वादिष्ट बनाता है बल्कि पाचन क्रिया को भी सुधारता है।

गाजर की सब्जी- गाजर की सब्जी एक सरल और पौष्टिक व्यंजन है, जिसे आप रोजाना बना सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले प्याज, टमाटर और अदरक-लहसुन का पेस्ट भूनें, फिर इसमें हल्दी, धनिया पाउडर और गरम मसाला मिलाएं। अब इसमें कटी हुई गाजर डालकर धीमी आंच पर पकाएं जब तक वे नरम न हो जाएं। अंत में हरी मिर्च और धनिया पत्ती डालकर गर्मागर्म परोसें। यह सब्जी न केवल स्वादिष्ट है बल्कि आपके स्वास्थ्य के लिए भी बहुत फायदेमंद है।

गाजर का अचार- गाजर का अचार एक अनोखा और स्वादिष्ट अचार है, जिसे आप लंबे समय तक रख सकते हैं। इसे बनाने के लिए सबसे पहले गाजरों को लंबाई में काट लें और धूप में सुखा लें। अब सरसों तेल गर्म करके उसमें मेथी दाना, सौंफ दाना, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर मिलाएं। इसके बाद सूखी हुई गाजरें डालकर अच्छे से मिलाएं और बोतल में भर दें। यह अचार आपके खाने को अलग ही स्वाद दे सकता है।

गाजर की खीर- गाजर की खीर एक मीठा व्यंजन है, जिसे आप किसी भी खास मौके पर बना सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले दूध को उबालें और उसमें कदूकस की हुई गाजर डालें। धीमी आंच पर पकने दें जब तक कि गाजर नरम न हो जाएं। अब इसमें चीनी डालें और अच्छे से मिलाएं। अंत में इलायची पाउडर डालें और ठंडा होने पर परोसें। यह खीर स्वादिष्ट होने के साथ-साथ पौष्टिक भी है।

अभिनेत्री लॉरेन गॉटलिब ने मशहूर इंटरनेशनल डांस शो को कहा अलविदा, लिखा- एक युग का अंत

अमेरिकी मूल का मशहूर अंतरराष्ट्रीय डांस रियलिटी शो सो यू थिंक यू कैन डांस अपने 18 सीजन के बाद आधिकारिक तौर पर बंद होने जा रहा है। मंगलवार को अभिनेत्री लॉरेन गॉटलिब ने शो के खत्म होने का दुख जाहिर करते हुए एक पोस्ट शेयर की। दरअसल, अभिनेत्री लॉरेन ने सो यू थिंक यू कैन डांस सीजन 3 से प्रसिद्धि हासिल की थी, जिस वजह से यह शो उनके बेहद करीब है। अभिनेत्री ने शो के दौरान का पुराना वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया। अभिनेत्री ने शो के बंद होने को एक दौर का अंत बताया। उन्होंने लिखा, सो यू थिंक यू कैन डांस 18 सीजन के बाद खत्म हो गया है। साल 2007 में मैं शो में गई थी। उस समय मैं महज 18 साल की लड़की थी और एरिजोना से उस शो में डांस के लिए गई थी। तब मैंने सोचा भी नहीं था कि यह शो मेरी जिंदगी पूरी तरह से बदल देगा। मैं बस अपने सीजन का हिस्सा होने के बाद कई बार ऑल-स्टार सीजन्स में वापस आती रही थी। इतने सालों में यह शो मेरे लिए दूसरे घर जैसा था।

अभिनेत्री ने खुशी जाहिर करते हुए बताया कि उन्होंने कभी कल्पना भी नहीं की थी कि यह शो उनके करियर को इतनी बड़ी दिशा देगा। उन्होंने लिखा, यह शो उस समय पूरी दुनिया में देखा जाता था, जिस वजह से रेमो डिसूजा ने मुझे देखा और अपनी फिल्म एबीसीडी के लिए चुना और बस डांस की वजह से मेरी एक ग्लोबल यात्रा शुरू हो गई।

उन्होंने पुराने दिनों को याद करते हुए लिखा, 19 साल बाद ऐसे पल आते हैं, जो दिल को छू लेते हैं। दो दिन पहले ही एक फ्लाइट अटेंडेंट ने मुझे रोककर कहा था कि सो यू थिंक यू कैन डांस के समय मैं उन्हें बहुत पसंद थी। डांस भाषा, सरहदों और हर उस दीवार से ऊपर होता है जो हमें अलग करने की कोशिश करती है। डांस सीधे दिल तक पहुंचता है और यही काम इस शो ने दुनिया भर के लाखों लोगों के साथ किया।

उन्होंने शो से जुड़े सभी लोगों को धन्यवाद दिया। उन्होंने लिखा, कास्ट, क्रू, कोरियोग्राफर्स, जजेस, हमारे माता-पिता और सभी फैंस, आप सभी का शुक्रिया। उन यादों और उन पलों के लिए धन्यवाद, जिन्होंने हमारी जिंदगी हमेशा के लिए बदल दी।

3 इडियट्स 2 पर आमिर खान ने शुरू किया काम!

बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान ने जब से 3 इडियट्स 2 की पुष्टि की है, तब से फैंस इसके अपडेट के बारे में बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. अब खबर आई है कि आमिर खान ने 2009 की फिल्म 3 इडियट्स के सीक्वल पर काम शुरू कर दिया है.

बॉलीवुड के मेगास्टार आमिर खान की सुपरहिट फिल्म 3 इडियट्स का सीक्वल आने की खबर ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया था. आईएएनएस को एक सूत्र ने बताया है कि आमिर खान ने 2009 की इस ब्लॉकबस्टर फिल्म के सीक्वल पर आधिकारिक तौर पर काम शुरू कर दिया हैय

यह प्रोजेक्ट अभी प्री-प्रोडक्शन फेज में है, और यह पक्का हो गया है कि ओरिजिनल तिकड़ी यानी आमिर खान, आर. माधवन और शरमन जोशी इस बहुप्रतीक्षित सीक्वल में अपनी पुरानी भूमिकाएं दोहराते हुए नजर आएंगे. सूत्र ने आगे बताया कि सीक्वल में एक बड़ा टाइम लीप देखने को मिलेगा, जिसका मतलब है कि किरदार अब जिंदगी के उसी पड़ाव पर नहीं होंगे, जिस पर वे 2009 की फिल्म में थे.

दिलचस्प बात यह है कि इस प्रोजेक्ट से जुड़ा सबसे बड़ा ट्विस्ट इसकी टाइमलाइन है. जहां एक तरफ टाइम लीप की बात पक्की हो गई है, वहीं यह अभी भी साफ नहीं है कि कहानी ओरिजिनल फिल्म की घटनाओं से पहले की होगी या बाद की. अंदरूनी सूत्र का कहना है कि फिलहाल सिर्फ आमिर को ही कहानी की सही दिशा के बारे में पता है. ओरिजिनल ब्लॉकबस्टर फिल्म का निर्देशन करने वाले राजकुमार हिरानी भी सीक्वल का निर्देशन करने के लिए वापस आ रहे हैं.

राजकुमार हिरानी द्वारा निर्देशित 3 इडियट्स में आर. माधवन, शरमन जोशी, करीना कपूर खान, बोमन ईरानी और मोना सिंह ने मुख्य भूमिकाएं निभाई थीं. यह फिल्म दुनिया भर में एक बहुत बड़ी ब्लॉकबस्टर साबित हुई और इसने वैश्विक स्तर पर 400 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की.

मंत्री बहुगुणा ने श्रमिकों के साथ जमीन पर बैठकर सुनीं समस्याएं

रुद्रपुर(आरएनएस)। सिडकुल स्थित करम फैक्ट्री के श्रमिक अपनी विभिन्न मांगों को लेकर मंगलवार देर शाम कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा के आवास पर पहुंचे। श्रमिकों की संख्या अधिक होने के कारण वे सभी जमीन पर बैठ गए। इस दौरान मंत्री बहुगुणा भी श्रमिकों के बीच जमीन पर बैठकर उनकी समस्याएं सुनते रहे। श्रमिक वेतन वृद्धि, ओवरटाइम का नियमानुसार भुगतान और अन्य सुविधाओं की मांग कर रहे हैं। मंत्री के आश्वासन के बाद श्रमिक संतुष्ट होकर लौट गए। मंगलवार देर शाम बड़ी संख्या में श्रमिक मंत्री बहुगुणा के सितारगंज स्थित आवास पहुंचे। मंत्री ने श्रमिकों की मांगों को गंभीरता से सुनते हुए उनके समाधान का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि श्रमिकों के हितों की रक्षा करना उनकी प्राथमिकता है और उनकी जायज मांगों पर त्वरित कार्रवाई की जाएगी। करम फैक्ट्री के श्रमिक पिछले एक पखवाड़े से आंदोलनरत हैं। इससे पूर्व, श्रम विभाग की मध्यस्थता में फैक्ट्री प्रबंधन और श्रमिकों के बीच समझौता वार्ता हुई थी, जिसमें 10 मांगों पर सहमति बनी थी। समझौते के तहत स्थायी श्रमिकों की वेतन वृद्धि के लिए मांगपत्र सेवायोजक को सौंपने, संविदा श्रमिकों को कार्यानुभव के आधार पर कुशल श्रेणी में शामिल करने, ओवरटाइम का भुगतान कारखाना अधिनियम-1948 के प्रावधानों के अनुसार करने और किसी भी श्रमिक से जबरन ओवरटाइम न कराने पर सहमति बनी थी।

बाढ़ सुरक्षा कार्य के विरोध में सड़क पर बैठे ग्रामीण

बागेश्वर(आरएनएस)। तहसील क्षेत्र के अंतर्गत चीराबगड़-कर्मी मोटर मार्ग पर ग्रामीणों ने बाढ़ सुरक्षा कार्यों के विरोध में सड़क पर धरना दिया। ग्रामीणों का आरोप था कि सिंचाई विभाग द्वारा निर्माणाधीन बाढ़ सुरक्षा दीवार के दौरान बड़े-बड़े बोल्डर नदी के दूसरी ओर डाले जा रहे हैं, जिससे आपदा के समय उनके मकानों और कृषि भूमि को नुकसान पहुंचने का खतरा बढ़ गया है। ग्रामीणों ने यह भी कहा कि कपकोट-कर्मी मोटर मार्ग पर लंबे समय से बने गड्ढों की मरम्मत नहीं की गई है, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका बनी हुई है। ग्राम सरपंच संगीता गढ़िया ने आरोप लगाया कि बाढ़ सुरक्षा कार्य में उपयोग की जा रही सामग्री बिना अनुमति और बिना रॉयल्टी के लाई जा रही है। घंटों तक ग्रामीण और महिलाएं सड़क पर बैठे रहे। सूचना मिलने पर तहसीलदार नितिशा आर्या, राजस्व उपनिरीक्षक संजय कुमार तथा कपकोट पुलिस मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने ग्रामीणों से वार्ता कर उनकी समस्याएं सुनीं और उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद ग्रामीणों ने धरना समाप्त कर दिया।तहसीलदार नितिशा आर्या ने बाढ़ सुरक्षा कार्यों का निरीक्षण भी किया और संबंधित विभाग से आवश्यक जानकारी ली। धरने में महेश कपकोटी, प्रहलाद सिंह कपकोटी, संगीता गढ़िया सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे।

सू- दोकू क्र.057

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.56 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

बारह साल विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के अभियान को सफल बनाने का आह्वान

अल्मोड़ा(आरएनएस)। भारतीय जनता पार्टी ने केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित किए जाने वाले %बारह साल विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के% अभियान को व्यापक स्तर पर सफल बनाने का आह्वान किया है। इस संबंध में पातालदेवी स्थित भाजपा जिला कार्यालय में जिला कार्यशाला आयोजित की गई।

कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष महेश नयाल, मुख्य वक्ता बसंत जोशी, पूर्व विधायक रघुनाथ सिंह चौहान, कैलाश शर्मा तथा निवर्तमान जिलाध्यक्ष रमेश बहुगुणा सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। जिलाध्यक्ष महेश नयाल ने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की विचारधारा और केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि आगामी अभियान के तहत कार्यकर्ता बूथ स्तर तक पहुंचकर सरकार की उपलब्धियों और योजनाओं की जानकारी जनता तक पहुंचाएंगे।

मुख्य वक्ता बसंत जोशी ने कहा कि संगठन की शक्ति उसके समर्पित कार्यकर्ताओं में निहित है। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने पिछले 12 वर्षों में विकास, सुशासन, गरीब कल्याण, आत्मनिर्भरता, आधारभूत ढांचे के विकास और वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठा के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने अभियान की रूपरेखा बताते हुए कहा कि 5 जून से 21 जून तक जिला, विधानसभा, ब्लॉक और मंडल स्तर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण अभियान, जनसंपर्क अभियान, स्वच्छता अभियान, विकसित भारत संकल्प सम्मेलन, प्रदर्शनी, जनकल्याण शिविर, प्रबुद्धजन बैठकें, प्राकृतिक एवं जैविक खेती कार्यशालाएं तथा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। संपूर्ण अभियान के जिला संयोजक जिला महामंत्री दर्शन रावत रहेंगे।

कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री प्रकाश भट्ट और दर्शन रावत ने संयुक्त रूप से किया। कार्यशाला में ब्लॉक प्रमुख हिमानी कुंडू, नीमा आर्या, प्रदेश उपाध्यक्ष किरण पंत, ललित लटवाल, रवि रौतेला, विनीत बिष्ट, संजय बिष्ट, नवीन बिष्ट, मंगल सिंह, हरीश सिजवाली, दिनेश पांडे, जगदीश रावत, संदीप श्रीवास्तव, सुनील बिष्ट, मदन बिष्ट, नरेंद्र आगरी, महिपाल बिष्ट, गोविंद मटेला, हरीश कनवाल, आनंद डंगवाल, कैलाश गोस्वामी, पूनम पालीवाल, कविता शाह, वंदना आर्या, नमन गुरुरानी, पंकज भाकुनी सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

स्मार्ट मीटर लगाने पहुंची टीम का विरोध, बढ़ा विवाद

हरिद्वार(आरएनएस)। ऊर्जा निगम के स्मार्ट मीटर का सब्जी मंडी परिसर और शिवलोक कॉलोनी में जनप्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों ने विरोध किया। मौके पर ऊर्जा निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों को स्मार्ट मीटर लगाने से रोका गया। इस दौरान अधिकारियों और लोगों के बीच तीखी बहस और नोंकझोक हुई। वहीं ऊर्जा निगम सख्ती से स्मार्ट मीटर लगाने की तैयारी कर रहा है। पुलिस बल उपलब्ध कराने के लिए पत्र लिखा गया है। एसडीओ अजय कुमार के नेतृत्व में शिवलोक कॉलोनी और एसडीओ शिल्पी सैनी के नेतृत्व में सब्जी मंडी परिसर में ऊर्जा निगम की टीमें पुराने बिजली मीटर बदल कर नया स्मार्ट मीटर लगाने पहुंची। इस दौरान सब्जी मंडी परिसर में एसडीओ शिल्पी और जेई अक्षय चौहान का व्यापारी मंडी यूनियन के पदाधिकारियों, सब्जी फल विक्रेताओं, कांग्रेसियो और जनप्रतिनिधियों ने विरोध किया।

कसार देवी में हरित योग कार्यक्रम आयोजित, 85 लोगों ने किया योगाभ्यास

अल्मोड़ा(आरएनएस)। 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की श्रृंखला के अंतर्गत कसार देवी मंदिर परिसर में हरित योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्राकृतिक वातावरण के बीच आयोजित कार्यक्रम में स्थानीय लोगों के साथ पर्यटकों ने भी योगाभ्यास कर सहभागिता की। कार्यक्रम का आयोजन जिला आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. मोहम्मद शाहिद के निर्देशन में किया गया।

कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख हिमानी कुंडू मुख्य अतिथि रहीं, जबकि जिला पंचायत सदस्य प्रदीप मेहता, होटल एसोसिएशन अध्यक्ष मोहन रयाल और मंदिर समिति के कोषाध्यक्ष कुंदन सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। आयुष विभाग की ओर से वरिष्ठ चिकित्साधिकारी डॉ. कुबेर सिंह अधिकारी, जनपद स्तरीय कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. अजीत तिवारी, राष्ट्रीय आयुष मिशन की नोडल अधिकारी डॉ. अनुपमा त्यागी सहित विभाग के चिकित्सकों, फार्मेसी अधिकारियों, पंचकर्म सहायकों और अन्य कर्मचारियों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. मंजू बोरा ने किया। योग अनुदेशकों की टीम ने प्रतिभागियों को विभिन्न योगासन और प्राणायाम का अभ्यास कराया। आयोजन में स्थानीय नागरिकों के साथ बाहरी पर्यटकों ने भी उत्साहपूर्वक भागीदारी की। आयोजकों के अनुसार कार्यक्रम में कुल 85 लोगों ने योगाभ्यास किया।

कार्यक्रम के दौरान अतिथियों को आयुष विभाग के कैलेंडर और जनजागरूकता सामग्री भेंट की गई। अंत में जिला आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. मोहम्मद शाहिद ने सभी प्रतिभागियों और अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

रुद्रपुर क्षेत्र में गौना नदी पर नहीं बन पाया पुल

विकासनगर(आरएनएस)। रुद्रपुर क्षेत्र में गौना नदी पर पुल का निर्माण न होना भी करीब दस हजार की आबादी के लिए परेशानी का कारण बना हुआ है। स्थानीय लोगों के अनुसार बरसात शुरू होते ही गोना नदी का जलस्तर बढ़ जाता है और आवागमन पूरी तरह बाधित हो जाता है। पुल न होने के कारण करीब दस हजार की आबादी को हर वर्ष तीन महीने तक भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। विकासनगर कस्बे को रुद्रपुर क्षेत्र के सोरना, डोभरी, बड़वा, गोडरिया, होरावाला, रजौली, कोठड़ा, कोटी, ढलानी आदि गांवों को जोड़ने वाले रुद्रपुर-डोभरी मार्ग पर बरसाती गौना नदी पड़ती है। बरसात के तीन माह नदी का उफान पर रहती है। क्षेत्रवासी अरविंद सोलंकी, मोहर सिंह, नकलीराम, इंतखाब आलम, प्रमोद कुमार, रोशनी नेगी, संतोष कुमार ने बताया कि उनकी सुनवाई नहीं हो रही है।विकासनगर को बिन्हार क्षेत्र से जोड़ने वाले बाड़वाला-जुड्डो मोटर मार्ग भी जगह-जगह मलबे के ढेर और क्षतिग्रस्त सुरक्षा दीवारों के कारण सड़क इस कदर संकरी हो गई है कि छोटे यात्री वाहन भी मुश्किल से गुजरते हैं। लांघा-मटोगी मोटर मार्ग और हथियारी-मटोगी मोटर मार्ग भी जगह-जगह क्षतिग्रस्त है, जिससे बरसात में आवागन ठप होने की आशंका बनी हुई है।

साहिया क्षेत्र की साकेत बस्ती पर मंडरा रहा खतरा-साहिया। सरला खड्ड किनारे बसी साकेत बस्ती पर भी इस मानसून में बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि खड्ड में पानी का बहाव बढ़ने पर बस्ती के नजदीक कटाव तेज हो जाता है। ग्रामीणों के मुताबिक कई बार प्रशासन और संबंधित विभागों को बाढ़ सुरक्षा कार्य कराने की मांग उठाई गई, लेकिन अभी तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकला है।स्थानीय निवासी सुभाष भाटी, मोहित, शांति पंवार, दर्शन सिंह नेगी, मोहन भाटी ने बताया कि साल 2013 में सरला खड्ड के उफान पर आने से तीन मकान क्षतिग्रस्त हो गए थे। साल 2019 में कई खेत बह गए और लोगों के घरों में मलबा भर गया था। 2021 में खड्ड का पानी बड़ी मात्रा में बस्ती में घुस गया, जिसके बाद लोग बरसात के तीन माह अपने घरों से दूर रहे। बताया कि इस बार भी समय रहते सुरक्षात्मक दीवार, तटबंध या अन्य बाढ़ सुरक्षा उपाय नहीं किए गए तो बरसात में जान-माल का बड़ा नुकसान हो सकता है। लोगों में इस बात की चिंता सता रही है कि तेज बारिश के दौरान स्थिति कभी भी गंभीर रूप ले सकती है।

'पर्यावरण संरक्षण और सतत कृषि' विषय पर गोष्ठी का आयोजन

हमारे संवाददाता

देहरादून। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आज इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चर ट्रेनिंग एंड रिसर्च देहरादून में पौधारोपण एवं "पर्यावरण संरक्षण और सतत कृषि" विषय पर गोष्ठी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में पद्मश्री प्रेम चंद शर्मा उपस्थित रहे। उनके सानिध्य में परिसर में मोरिंगा/सहजन के पौधों का रोपण किया गया। पद्मश्री शर्मा ने बताया कि मोरिंगा बहुउपयोगी औषधीय गुणों से भरपूर है। इसे अधिक से अधिक संख्या में रोपित किया जाना चाहिए और अपने दैनिक आहार में किसी न किसी रूप में शामिल करना चाहिए, क्योंकि यह अत्यंत पौष्टिक एवं स्वास्थ्यवर्धक है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक घर और संस्थान में पंच पल्लव, आम, पीपल, बरगद, पाकड़/गूलर, अशोक अवश्य लगाने चाहिए। पंच पल्लव का धार्मिक एवं आध्यात्मिक महत्व है और यह मानसिक शांति तथा धार्मिक कार्यों के लिए अति उत्तम माना जाता है। गोष्ठी के दौरान छात्रों ने ग्लोबल वार्मिंग पर अपने विचार रखे और चर्चा की कि बढ़ती ग्लोबल वार्मिंग से हम व्यक्तिगत एवं सामुदायिक स्तर पर कैसे बच सकते हैं। कार्यक्रम के अंत में आईएटीआर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमित उपाध्याय ने पद्मश्री प्रेमचंद शर्मा का आभार व्यक्त किया। उपाध्याय ने कहा कि मोरिंगा को उत्तराखंड में एक व्यावसायिक गतिविधि के रूप में अपनाया जाना चाहिए। इससे विभिन्न प्रकार के उत्पाद बनाए जा सकते हैं और उन्हें वैश्विक स्तर पर व्यापारिक रूप से प्रचारित एवं विक्रय किया जा सकता है। उन्होंने मोरिंगा के व्यावसायिक दृष्टिकोण एवं उपयोगिता को विस्तार से समझाया। समापन पर सभी छात्रों ने आईएटीआर परिसर में 60 पौधों का रोपण किया और संकल्प लिया कि वे अपने घरों एवं गांवों में मोरिंगा के प्रति जागरूकता फैलाएंगे तथा इसे अपने आहार में अधिक से अधिक शामिल करेंगे। इस कार्यक्रम में आईएटीआर की सदस्या लतिका, राणा क्षेत्री, रियासना, वैशाली थापा एवं सुमन सहित संस्थान के अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे।

मौसम विभाग ने जारी किया उत्तराखंड में तीन दिन के लिए बारिश का अलर्ट

संवाददाता

देहरादून। भारतीय मौसम विभाग ने उत्तराखंड में तीन दिन के लिए बारिश का अलर्ट जारी किया है. मौसम विभाग देहरादून के मुताबिक, 5 जून से 7 जून तक उत्तराखंड के पर्वतीय इलाकों और मैदानी क्षेत्रों में तेज बारिश हो सकती है।

आज यहां भारतीय मौसम विभाग ने उत्तराखंड में तीन दिन के लिए बारिश का अलर्ट जारी किया है. मौसम विभाग देहरादून के मुताबिक, 5 जून से 7 जून तक उत्तराखंड के पर्वतीय इलाकों और मैदानी क्षेत्रों में तेज बारिश हो सकती है। वहीं, कई इलाकों में आंधी-तूफान और बिजली गिरने का भी खतरा है। मौसम विभाग ने राज्य के कई जिलों के लिए आगामी तीन दिनों तक बारिश, आकाशीय बिजली और तेज हवाओं को लेकर चेतावनी जारी की है। 5 जून को देहरादून, टिहरी, उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, बागेश्वर, नैनीताल समेत कई जिलों में गरज के साथ बिजली चमकने, ओलावृष्टि की संभावना है. इस दौरान 40 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। इसके अलावा पौड़ी, बागेश्वर, पिथौरागढ़ और चंपावत जिलों में भी तेज बारिश, बिजली चमकने और तेज हवाएं चलने की संभावना है। राज्य के अन्य पर्वतीय जिलों तथा हरिद्वार और ऊधमसिंह नगर में भी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है।

पहाड़ में 'रिसोर्स' नहीं, मां के रूप...

◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

सड़क, बिजली, पर्यटन और आधारभूत सुविधाएं जरूरी हैं, लेकिन हिमालय की संवेदनशीलता को नजरअंदाज कर किया गया विकास भविष्य में बड़े संकट पैदा कर सकता है। हाल के वर्षों में बढ़ती प्राकृतिक आपदाओं ने यह संकेत दिया है कि विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाए बिना आगे बढ़ना संभव नहीं है। स्थानीय समुदायों का अनुभव और पारंपरिक ज्ञान इस संतुलन को स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

हिमालय को बचाने की लड़ाई केवल पेड़ों और नदियों को बचाने की लड़ाई नहीं है। यह उन लोगों को बचाने की लड़ाई भी है जिन्होंने पीढ़ियों तक प्रकृति की रक्षा की है। यदि पहाड़ के गांव जीवित रहेंगे, तो जंगल भी सुरक्षित रहेंगे, जलस्रोत भी बहते रहेंगे और हिमालय की आत्मा भी जीवित रहेगी। पर्यावरण के सबसे सच्चे रक्षक आज भी पहाड़ के लोग ही हैं।

भट्टोवाला गोलीबारी कांड पर महिला आयोग सख्तः अध्यक्ष ने जाना घायलों का हाल

संवाददाता

देहरादून। ऋषिकेश के भट्टोवाला क्षेत्र में हुई गोलीबारी की दुस्साहसिक और दुर्भाग्यपूर्ण घटना को लेकर उत्तराखंड राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने गहरा क्षोभ और चिंता व्यक्त की है। उन्होंने गोलीबारी में घायल हुए दोनों युवकों से मुलाकात कर उनकी स्थिति की जानकारी ली तथा अस्पताल प्रशासन व वरिष्ठ चिकित्सकों को निर्देशित किया कि घायलों के उपचार में किसी भी प्रकार की कोताही न बरती जाए और उन्हें उच्च स्तरीय व त्वरित चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने तत्काल कोतवाली प्रभारी (एसएचओ) ऋषिकेश कैलाश चंद्र भट्ट से घटना की पूरी जानकारी ली। उन्होंने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून को फोन के माध्यम से कड़े दिशा-निर्देश जारी किए। अध्यक्ष ने एसएसपी को

निर्देश दिए कि फरार अन्य आरोपियों की भी जल्द से जल्द गिरफ्तारी सुनिश्चित कर उन्हें सलाखों के पीछे भेजा जाए ताकि क्षेत्र में सुरक्षा और विश्वास का माहौल बना रहे।

अध्यक्ष ने कहा कि ग्रामीण और रिहायशी इलाकों के बीच अचानक पहुँचने वाले संदिग्ध व्यक्तियों के वास्तविक उद्देश्य की गहन जांच होनी चाहिए, क्योंकि गांवों में घुसकर नशा करना और इस तरह की हिंसक वारदातों को अंजाम देना एक अत्यंत गंभीर विषय है। ऐसे में स्थानीय स्तर पर पुलिस मित्र की सक्रियता बढ़ाने से संदिग्ध गतिविधियों पर न सिर्फ पैनी नजर रखी जा सकेगी, बल्कि किसी भी अप्रिय घटना की सूचना पर पुलिस तंत्र तुरंत और त्वरित गंभीर कार्रवाई भी कर सकेगा।

फर्जी शस्त्र लाईसेंस से हथियारों की हनक दिखाने वाले तीन गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। फर्जी शस्त्र लाईसेंस बनाकर पिस्टल व रिवाल्वर लेकर अपनी हनक दिखाने वाले तीन लोगों को एसटीएफ ने गिरफ्तार कर उनके कब्जे से हथियार बरामद कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। एसटीएफ ने उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

आज यहां वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, एसटीएफ अजय सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि एसटीएफ. द्वारा बाहरी राज्यों से स्थानान्तरित होकर उत्तराखण्ड की शस्त्र पंजिकाओं में दर्ज किए गए शस्त्र लाईसेन्सों में अनियमितता/फर्जी होने की संभावना के दृष्टिगत जांच की जा रही है। जांच के क्रम में जनपद ऊधमसिंहनगर में संचालित अवैध एवं कूटरचित शस्त्र लाइसेंसों के संबंध में भी महत्वपूर्ण तथ्य प्रकाश में आए हैं। जांच में पाया गया कि नौशाद हुसैन सहित 10 व्यक्तियों द्वारा जनपद शाहजहाँपुर, उत्तर प्रदेश से निर्गत दर्शाए गए शस्त्र लाइसेंसों के आधार पर काशीपुर स्थित गन हाउस से शस्त्र क्रय किए गए थे। एसटीएफ द्वारा संबंधित शस्त्र लाइसेंसों, शस्त्र क्रय-विक्रय अभिलेखों, सत्यापित प्रतियों एवं अन्य दस्तावेजों का परीक्षण किया गया तथा जिलाधिकारी कार्यालय शाहजहाँपुर, उत्तर प्रदेश से अभिलेखीय सत्यापन कराया गया। प्राप्त आख्या में यह तथ्य प्रकाश में आया कि संबंधित व्यक्तियों के नाम से कोई शस्त्र लाइसेंस निर्गत नहीं किया गया था तथा प्रस्तुत लाइसेंसों के क्रमांक अन्य व्यक्तियों के नाम पर निर्गत पाए गए। इस प्रकार प्रस्तुत शस्त्र लाइसेंस प्रथम दृष्टया कूटरचित एवं फर्जी पाए गए। उपलब्ध साक्ष्यों एवं जांच में प्राप्त तथ्यों के आधार पर एसटीएफ द्वारा संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में काशीपुर कोतवाली में मुकदमा पंजीकृत कराया गया। उसी मुकदमें में देर रात्रि 03 नौशाद हुसैन पुत्र लियाकत हुसैन निवासी मोहला थाना साबिक काशीपुर जिला उधम सिंह नगर, बरामदगी 1 पिस्टल 30 बोर 28 कारतूस व कूटरचित लाइसेंस, जतिन कांडपाल पुत्र पूरन चन्द्र कांडपाल निवासी चामुंडा मंदिर थाना काशीपुर उधम सिंह नगर - बरामदगी 1 पिस्टल 32 बोर, 18 कारतूस व कूटरचित लाइसेंस अजीम पुत्र नन्हे पहलवान निवासी ग्राम व् पोस्ट सिन्धोली जनपद शाहजहाँ पुर उत्तरप्रदेश हाल निवासी थाना काशीपुर उधमसिंह नगर उत्तराखंड - 1 पिस्टल 30 बोर , 19 कारतूस व कूटरचित लाइसेंस को अवैध शस्त्र, कारतूसों व कूटरचित शस्त्र लाइसेंस के साथ गिरफ्तार किया गया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ ने बताया कि राज्य में बाहरी राज्यों से स्थानान्तरित होकर आए हजारों शस्त्र लाइसेंसों एवं उनके धारकों का सत्यापन जारी है। जांच के दौरान प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर आगे भी लगातार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

विश्व पर्यावरण दिवस पर पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

हमारे प्रतिनिधि

रुद्रपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सरदार भगत सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रुद्रपुर में एन. सी.सी. इकाई द्वारा पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम एवं विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं एन.सी.सी. कैडेट्स के मध्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता विकसित करना तथा प्रकृति के प्रति उत्तरदायित्व की भावना को प्रोत्साहित करना था।

इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस की थीम प्रकृति से प्रेरित, जलवायु के लिए, हमारे भविष्य के लिए पर आधारित विचार गोष्ठी का शुभारम्भ मुख्य वक्ता समाजशास्त्र विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. राजेश कुमार सिंह के प्रेरणादायी उद्बोधन से हुआ। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी नीतियों अथवा बड़े अभियानों

तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति के छोटे-छोटे प्रयास भी इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

एन.सी.सी प्रभारी डॉ.निमिता कान्याल ने कहा कि वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन पूरी मानवता के समक्ष एक गंभीर चुनौती बनकर उभरी है। ऐसे में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने एन.सी.सी. कैडेट्स से पर्यावरण संरक्षण के दूत के रूप में कार्य करने तथा समाज में जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। उन्होंने यह भी कहा कि प्रकृति के साथ संतुलित संबंध स्थापित करके ही हम आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित एवं स्वस्थ भविष्य सुनिश्चित कर सकते हैं। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापकगण, एन.सी.सी. अधिकारी, कैडेट्स तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। कार्यक्रम ने विद्यार्थियों में पर्यावरणीय चेतना के प्रसार तथा प्रकृति के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उत्तराखंड में वक्त से पहले चुनावी शंखनाद

❑भाजपा-कांग्रेस ने कसी कमर, सत्ता और सियासत की बिसात बिछनी शुरू

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड विधानसभा चुनाव 2027 में भले ही अभी कई महीने शेष हों, लेकिन राज्य की राजनीति में चुनावी शंखनाद साफ सुनाई देने लगा है। भाजपा और कांग्रेस दोनों ने अपने-अपने स्तर पर तैयारियां तेज कर दी हैं। नेताओं के लगातार दौरे, संगठनात्मक बैठकों का दौर, बूथ स्तर तक पहुंचने की कवायद और चुनावी मुद्दों की तलाश इस बात का संकेत है कि राज्य में चुनावी जंग समय से पहले ही शुरू हो चुकी है।

भाजपा सत्ता की हैट्रिक लगाने के लक्ष्य के साथ मैदान में है। पार्टी का पूरा फोकस उन बूथों और क्षेत्रों पर है, जहां पिछले चुनावों में उसे अपेक्षित सफलता नहीं मिली थी। संगठन को और मजबूत बनाने और कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने के लिए शीर्ष नेतृत्व लगातार उत्तराखंड का दौरा कर रहा है। हाल के दिनों में भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व ने भी चुनावी रणनीति को लेकर विशेष बैठकों का सिलसिला शुरू किया हैदूसरी ओर कांग्रेस भी इस चुनाव को अस्तित्व की लड़ाई मानकर चल रही है। कांग्रेस बूथ स्तर तक संगठन मजबूत करने और गुटबाजी को कम करने की रणनीति पर काम कर रही है।

2027 के चुनाव में रोजगार, पलायन, महंगाई, चारधाम यात्रा की व्यवस्थाएं, आपदा प्रबंधन, सैन्य परिवारों से जुड़े विषय और पहाड़-मैदान का संतुलित विकास प्रमुख मुद्दे बन सकते हैं। कांग्रेस बेरोजगारी, अग्निवीर योजना और युवाओं के सवालों को केंद्र में लाने की कोशिश कर रही है, जबकि भाजपा विकास परियोजनाओं, सड़क, रेल और धार्मिक पर्यटन को अपनी उपलब्धि के रूप में जनता के सामने रखेगी।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि 2027 में केवल मुद्दों की नहीं बल्कि नेतृत्व की भी लड़ाई होगी। भाजपा मुख्यमंत्री नेतृत्व और संगठन की मजबूती के सहारे मैदान में उतरेगी, जबकि कांग्रेस को जनता के सामने एकजुट नेतृत्व का संदेश देना होगा। पिछले कुछ वर्षों में कांग्रेस के भीतर चली आ रही गुटबाजी भी चुनावी समीकरणों को प्रभावित कर सकती है।

अभी तक चुनावी गतिविधियां बड़े नेताओं के दौरों तक सीमित दिख रही हैं, लेकिन आने वाले महीनों में यह लड़ाई गांवों, बूथों और सोशल मीडिया तक पहुंचने वाली है। राजनीतिक दलों ने अपने कार्यकर्ताओं को सक्रिय करना शुरू कर दिया है और जनसंपर्क अभियानों की रूपरेखा भी तैयार होने लगी है।

उत्तराखंड की राजनीति में 2027 का चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन या सत्ता बचाने की लड़ाई नहीं होगा, बल्कि यह राज्य के भविष्य के विकास माडल, युवाओं की उम्मीदों और पहाड़ की पहचान से जुड़े सवालों का भी चुनाव होगा। फिलहाल तस्वीर साफ हैकृचुनाव में अभी समय बाकी है, लेकिन चुनावी जंग शुरू हो चुकी है।

पति ने पत्नी की डंडे से पीटकर की हत्या!

हमारे संवाददाता

अल्मोड़ा। सल्ट विकासखंड अंतर्गत खुमाड़ ग्रामसभा में बीती रात एक चौंकाने वाली घटना ने पूरे क्षेत्र को सदमे में डाल दिया। लगभग 25 वर्षीय एक युवती की उसके पति द्वारा कथित घरेलू विवाद के दौरान डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद आरोपी पति मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश में पुलिस छापेमारी कर रही है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार खुमाड़ ग्रामसभा के एक गांव में रहने वाली युवती और उसके पति के बीच लंबे समय से घरेलू विवाद चल रहा था। बीती रात विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपी पति ने गुस्से में आकर अपनी पत्नी को लाठी-डंडों से बुरी तरह पीटा।

गंभीर चोटों के कारण युवती की मौके पर ही मौत हो गयी। मृतका की उम्र करीब 25 वर्ष बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही सल्ट थाना प्रभारी कश्मीर सिंह अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का गहन निरीक्षण किया और प्रारंभिक जांच शुरू कर दी। आज सुबह रानीखेत से क्षेत्राधिकारी (सीओ) ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जानकारी ली। तहसीलदार आबिद अली ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा तैयार कराया। मृतक का शव पोस्टमार्टम के लिए रानीखेत भेज दिया गया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। मामले की जांच विभिन्न पहलुओं से की जा रही है, जिसमें घरेलू विवाद के कारण, गवाहों के बयान और फॉरेंसिक साक्ष्य शामिल हैं। पुलिस का दावा है कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

टेंपो ट्रैवलर पलटा एक की मौत, कई घायल

हमारे संवाददाता

चमोली। सड़क दुर्घटना में आज सुबह एक टेंपो ट्रैवलर के अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट जाने से जहां एक महिला की मौत हो गयी वहीं कुछ लोग घायल हुए है। सूचना मिलने पर पुलिस व प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंची और मृतक महिला व घायलों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया। जहां घायलों का उपचार जारी है। जानकारी के अनुसार आज सुबह बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर पैनी के समीप एक टेंपो ट्रैवलर अचानक अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। जिसमें सवार गाजियाबाद निवासी एक महिला यात्री की मौत हो गई है। वाहन में चालक सहित कुल 18 यात्री सवार थे, जिनमें से कुछ को चोटें आई हैं। दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं और वाहन में फंसे घायल यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला। इस दौरान सभी घायलों को 108 और अन्य एंबुलेंस के माध्यम से तुरंत नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया, जहां उनका इलाज जारी है।

सड़क हादसे में कांग्रेस नेता कुंदन सिंह बथियाल का निधन

हमारे संवाददाता

अल्मोड़ा। बाड़िछीना के पास हुए सड़क हादसे में पिथौरागढ़ के वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व ब्लॉक प्रमुख कुंदन सिंह बथियाल का निधन हो गया है। उनके निधन पर पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने गहरा दुख व्यक्त किया।

पूर्व मुख्यमंत्री हरिश रावत दुर्घटना के बाद अल्मोड़ा अस्पताल पहुंचे, जहां उन्होंने दिवंगत कुंदन सिंह बथियाल को श्रद्धासुमन अर्पित किए। उन्होंने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए इस दुखद घड़ी में साथ खड़े रहने का भरोसा दिलाया। हरिश रावत ने कहा कि कुंदन सिंह बथियाल लंबे समय तक उनकी राजनीतिक यात्रा के साथी रहे। उन्होंने जनसेवा और संगठन के

लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनका निधन कांग्रेस परिवार और क्षेत्र की राजनीति के लिए अपूरणीय क्षति है। अस्पताल पहुंचकर पूर्व मुख्यमंत्री ने सड़क हादसे में घायल अन्य लोगों का हालचाल भी जाना। उन्होंने चिकित्सकों से उपचार की जानकारी ली और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

मुख्य सचिव ने विद्यालय, आंगनबाड़ी केन्द्र, पुस्तकालय एवं खेल सुविधाओं का किया निरीक्षण

संवाददाता

टिहरी। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने अपने दो दिवसीय जनपद भ्रमण कार्यक्रम के दूसरे दिन टिहरी गढ़वाल के बौराड़ी क्षेत्र में स्थित राजकीय मॉडल प्राथमिक विद्यालय, आंगनबाड़ी केन्द्र ढुंगीधार, श्रीदेव सुमन पुस्तकालय एवं बौराड़ी स्टेडियम का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

मुख्य सचिव द्वारा निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि आंगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य जांच एवं टीकाकरण की नियमित एवं प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए, विद्यालयों में मध्यान्ह भोजन योजना, शैक्षणिक गुणवत्ता एवं मूलभूत सुविधाओं का सतत अनुश्रवण कर आवश्यक सुधार समयबद्ध रूप से किए जाएं, श्रीदेव सुमन पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तकों, अभिलेखों एवं पांडुलिपियों का समुचित संरक्षण करते हुए अध्ययन हेतु बेहतर सुविधाएं विकसित की जाएं तथा बौराड़ी स्टेडियम एवं प्रस्तावित खेल सुविधाओं के निर्माण कार्यों को गुणवत्ता एवं निर्धारित समयसीमा के भीतर पूर्ण किया जाए। निरीक्षण के दौरान मुख्य सचिव ने आंगनबाड़ी केन्द्र ढुंगीधार में बच्चों की संख्या, उपलब्ध खेल सामग्री तथा बच्चों को उपलब्ध कराए जा रहे खाद्य एवं पोषण पदार्थों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर उन्होंने गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को पोषण किट वितरित की तथा केन्द्र में बच्चों का वजन भी माप करवाया। उन्होंने एएनएम एवं आशा कार्यकर्त्रियों को निर्देशित किया कि वे नियमित रूप से आंगनबाड़ी केन्द्रों तथा बच्चों के घरों तक पहुंचकर बच्चों की स्वास्थ्य जांच एवं टीकाकरण सुनिश्चित करें। इसके उपरांत मुख्य सचिव ने राजकीय मॉडल प्राथमिक विद्यालय का निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यालय में संचालित मध्यान्ह भोजन योजना, बच्चों के लिए उपलब्ध फर्नीचर, उपस्थिति पंजिका एवं अन्य शैक्षणिक व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की। विद्यालय के शिक्षकों द्वारा दी गई जानकारी पर उन्होंने संतोष व्यक्त करते हुए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के प्रयासों की सराहना की। मुख्य सचिव ने श्रीदेव सुमन पुस्तकालय का भी निरीक्षण किया।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।